Hindi Murli Quiz 22-01-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **वाक्यों के अर्थ अनुसार ही उनको मिलाएं ---**

	Choice	Match
A	वारिस बनने के लिए भगवान को अपना वारिस बनाना पड़े,	भगवान को कोई वारिस बनाये तो मिलकियत देनी पड़े ।
B	लक्ष्मी-नारायण की कोई भी निंदा नहीं करते, भल कृष्ण की आत्मा वही है,	परन्तु न जानने के कारण कृष्ण की निंदा कर दी है ।
C	लक्ष्मी-नारायण का मन्दिर भी बड़ा खुशी से बनाते है,	वास्तव मे बनाना चाहिए राधे-कृष्ण का, क्योकि वह सतोप्रधान है ।
D	यह लक्ष्मी-नारायण की युवा अवस्था है तो उनको सतो कहते है,	कृष्ण छोटे हैं इसलिए सतोप्रधान कहेंगे ।
E	इस समय है ही रात । काम की चेष्ठा भी रात को ही होती है,	देवताये हैं दिन में तो काम की चेष्ठा होती नही ।

Q.2) **मीठे बच्चे - तुम्हारी नज़र ---------पर नहीं जानी चाहिए, अपने को आत्मा समझो, ---------को मत देखो' ।**
[निम्नलिखित में से एक सही उत्तर से रिक्त स्थान भरें]

A. पदार्थों
B. बीती बातों
C. शरीरों
D. पुरानी दुनिया

Q.3) **सब आत्मायें शरीर छोड़कर वापिस जानी हैं । पाण्डव और कौरव दोनो को शरीर छोड़ना है । तुम यह ज्ञान के संस्कार ले जाते हो फिर उस अनुसार प्रालब्ध मिलती है । वह भी ड्रामा मे नूंध है फिर ज्ञान का पार्ट खत्म हो जाता है । तुमको 84 जन्मो के बाद फिर ज्ञान मिला है । फिर यह ज्ञान प्राय: लोप हो जाता है । तुम प्रालब्ध भोगते हो ।**

A. True
B. False

Q.4) **बाबा ने आज धारणा के लिए कुछ पॉइंट्स दिये हैं । उन सबका चयन करें ---**

A. अमृतबेला कभी मिस नहीं करना है ।
B. समझदार बन अपना सब बाप हवाले कर ममत्व मिटा देना है ।
C. ज्ञान का सिमरण कर अतीन्द्रिय सुख मे रहना है ।
D. किसी से भी रफठफ बातचीत नही करनी है ।
E. कोई गुस्से से बात करे तो उससे किनारा कर लेना है ।
F. भगवान का वारिस बनने के लिए पहले उन्हें अपना वारिस बनाना है ।

Q.5) **वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं -----**

	Choice	Match
A	मनुष्य, आत्मा को यथार्थ रीति नही जानते,	वैसे परमात्मा को भी यथार्थ रीति नहीं जान सकते ।
B	तुम बच्चे अपने को आत्मा नहीं समझते हो,	इसलिए तुम्हारी नजर इस शरीर पर चली जाती है ।
C	अगर बच्चों को बाप की पूरी पहचान हो,	तो बाप को याद करें और अपने मे दैवीगुण धारण करें ।
D	तुम संगमयुगी ब्राह्मण अलग हो,	वो अलग हैं - वह होते है द्वापर-कलियुग मे ।
E	सब आत्माओ का अपना शरीर है और शरीर का नाम पड़ता है,	परमात्मा का अपना शरीर ही नहीं इसलिए उनकी आत्मा का ही नाम शिव है ।

Q.6) **वाक्यों को अर्थों के अनुसार जोडें -**

	Choice	Match
A	हर ब्राह्मण बच्चे को विशेष दो बातों पर ध्यान देना है,	पढ़ाई पर और दैवी गुणों पर ।
B	कई बच्चों में क्रोध का अंश भी नही है,	कोई तो क्रोध में आकर बहुत लड़ते हैं ।
C	बच्चो को ख्याल करना चाहिए कि-	हमको दैवीगुण धारण करके देवता बनना है ।

D	कभी गुस्से मे आकर बातचीत नही करनी चाहिए,	क्रोधी बच्चों से भी तुम्हे बात नहीं करनी है ।
E	तुम बच्चो को दिव्य दृष्टि मिलती है,	जिससे सब साक्षात्कार करते हो ।

Q.7) **आज के वरदान के अनुसार परमात्म प्रत्यक्षता न होने के विभिन्न कारण स्पष्ट करें ---**

A. ☑ अपने ही तमोगुणी सस्कारो पर विजयी बनने में भय,
B. ☑ अपने सस्कार मिलाने में भय,
C. ☑ किसी भी प्रकार की अस्वच्छता अर्थात् सच्चाई सफाई की कमी,
D. ☑ विश्व सेवा के क्षेत्र मे अपने सिद्धान्तो को सिद्ध करने मे भय,
E. ☑ उपरोक्त कारणों से रमता योगी वा सहज राजयोगी बनने में कठिनाई ।

Q.8) **हमको देवता बनना है । दैवी गुण धारण करने हैं । यह 5 विकार हैं भूत । नम्बरवन है काम का भूत, सेकण्ड नम्बर है क्रोध का भूत । कोई रफठफ बोलता है तो बाप कहते हैं यह क्रोधी है । यह भूत निकल जाना चाहिए । क्रोध एक-दो को दु :ख देता है । मोह में बहुतों को दु :ख नहीं होगा, जिसको मोह है उनको ही दु :ख होगा । इसलिए बाप समझाते है इन भूतों को भगाओ ।**

A. ○ False
B. ◉ True

Q.9) **"बेहद की दृष्टि, वृत्ति ही ----------का आधार है इसलिए हद में नही आओ ।"**
[निम्नलिखित में से एक सही उत्तर से रिक्त स्थान भरें]

A. ◉ यूनिटी
B. ○ पवित्रता
C. ○ उन्नति
D. ○ सुख -शान्ति

Q.10) **कोई गुस्सा करता है तो समझो इनमे क्रोध का ----- है । वह जैसे भूतनाथ- भूतनाथिनी बन जाते है, ऐसे ------वालों से कभी बात नही करनी चाहिए । एक ने क्रोध में आकर बात की फिर दूसरे में भी ------- आ गया तो ------ आपस मे लड़ पड़ेंगे । ----- की प्रवेशता नहीं हो जाए इसलिए मनुष्य किनारा करते हैं । -------- के सामने खड़ा भी नही होना चाहिए, नही तो प्रवेशता हो जायेगी । हमारे मे क्रोध न आ जाए, नही तो सौ गुणा पाप पड़ जायेगा ।**
[निम्नलिखित में से एक सबसे सटीक उत्तर से ही सभी रिक्त स्थान भरें]

A. ○ अंश
B. ◉ भूत
C. ○ विकार
D. ○ प्रभाव